

राजस्थान सरकार

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ राजस्थान जयपुर

3.50PM

अनौपचारिक टिप्पणी

5789

विषय - प्रधान-महालेखाकार राजस्थान जयपुर द्वारा निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ (जन स्वा.), राजस्थान जयपुर के लेखों की परीक्षा अवधि 04/2018 से 03/2019।

संदर्भ - महालेखाकार, राज0 जयपुर का ज्ञापन संख्या 29 दिनांक 29.07.2019

"जयपुर सात चार लैब के लिए 20 करोड जारी, सात साल में भी घातल पर नहीं उतर सके लैब।"

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित ज्ञापन संख्या 29 दिनांक 29.07.2019 महालेखाकार, राजस्थान जयपुर की छाया प्रति संलग्न है। आपकी शाखा, से संबंधित सूचनाएं/अन्य लेख सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, जांच दल संख्या 46 को अविलम्ब कमरा नं० 15-B (ग्राउण्ड फ्लोर) में उपलब्ध करावे, अंकेक्षण समयबद्ध कार्यक्रम है अतः सूचना दिनांक 31.07.2019 को 12.00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अन्यथा विनाश के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

कृपया इसे उच्च प्राथमिकता प्रदान करावे।

संलग्न-उपरोक्त ज्ञापन

उप वित्तीय सहायक
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ
राजस्थान जयपुर

औपचारिक नियंत्रक
मुख्यालय।

अनौपचारिक टिप्पणी क्रमांक : ले.ब्रा-13/एजी/नि.प्र./2019/2250

दिनांक - 30/07/2019

DC/लेखा/2019/371

मूल ही प्रेषित कर लेख है कि संलग्नित सूचना। (अभिलेख सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी जांच दल संख्या (46) को अविलम्ब उपलब्ध करावे। तथा अधीनस्थ अधिकारी को भी अवगत करावे।

30/07/2019
Nisha Ram Sharma
Deputy Financial Officer

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (सामान्य एवं सामाजिक क्षेत्र लेखापरीक्षा) राज., जयपुर।

क्रमांक:-जी.एस.एस.-११/दल सं 46/ज्ञापन सं. 29

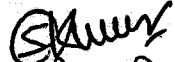
दिनांक:- 29.7.19

विषय:- जयपुर सहित चार लैब के लिए 20 करोड़ जारी, सात साल में भी धरातल पर नहीं उतर सके लैब।

राज्य सरकार द्वारा नकली दवाओं को रोकने व नमूनों की पेंडेसी कम करने के लिए सात साल पहले जोधपुर, उदयपुर एवं बीकानेर में ड्रग टेस्टिंग लैब खोलने की घोषणा की गई थी। जयपुर सहित चारों ड्रग टेस्टिंग लैब बनाने हेतु 20 करोड़ रुपये तक का बजट जारी किया जा चुका है। बीकानेर में वर्ष 2014 व जोधपुर एवं उदयपुर में वर्ष 2017 में लैब हेतु भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, मेन पावर एवं उपकरणों की कमी के कारण दवाओं की जांच करने वाली तीनों लैब शुरू नहीं हो सकी। जिसके कारण सेठी कॉलोनी स्थित एकमात्र सरकारी ड्रग टेस्टिंग लैब पर वर्तमान में 5000 दवाओं के नमूनों की जांच पेंडिंग चल रही है। अधिक पेंडिंग के चलते औषधि नियन्त्रण विभाग द्वारा जिस दवा के सैंपल लिया है, जब तक उसकी जांच रिपोर्ट आएगी, तब तक वह दवा हजारों मरीजों में बंट चुकी होती है या अवधिपार हो चुकी होती है। जिसके कारण आमजन की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

अतः उक्त तीनों जिलों में ड्रग टेस्टिंग लैब के तैयार भवनों में मेन पावर एवं उपकरणों की कमी के कारण दवाओं की जांच करने वाली तीनों लैब शुरू नहीं करने के कारणों सहित डिप्टी से लेखापरीक्षा को अवगत करावे।

श्रीमान निदेशक,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
राजस्थान, जयपुर


लेखापरीक्षा अधिकारी
(निरीक्षण)/दल संख्या 46

